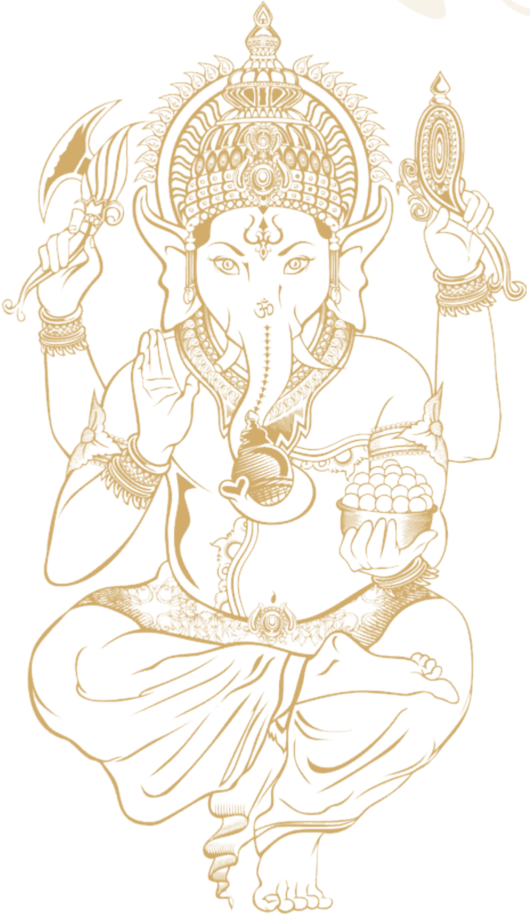

Mr.mangilal Soni

15 May 1961

02:30 PM

Phalodi River

Model: web-freekundliweb

Order No: 120687507

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/05/1961**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**14:30:00 घंटे**
इष्ट	21:32:29 घटी
स्थान	**Phalodi River**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:06:00 उत्तर
रेखांश	72:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:40:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:49:28 घंटे
वेलान्तर	00:03:44 घंटे
साम्पातिक काल	05:20:53 घंटे
सूर्योदय	05:53:00 घंटे
सूर्यास्त	19:21:07 घंटे
दिनमान	13:28:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	00:58:17 वृष
लग्न के अंश	27:57:52 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	अतिगण्ड
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ए-एकलव्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	27:57:52	321:24:11	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			वृष	00:58:17	00:57:52	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	09:05:01	12:58:11	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			कर्क	11:34:21	00:31:57	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	नीच राशि
बुध			वृष	16:00:12	01:53:37	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
गुरु			मक	13:40:05	00:01:58	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	नीच राशि
शुक्र			मीन	22:31:48	00:26:27	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	उच्च राशि
शनि	व		मक	06:30:50	00:00:33	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	स्वराशि
राहु	व		सिंह	09:09:31	00:13:03	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	09:09:31	00:13:03	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			कर्क	28:27:18	00:00:52	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
नेप	व		तुला	16:14:18	00:01:34	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
प्लूटो	व		सिंह	12:13:28	00:00:03	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	---
दशम भाव			वृष	27:41:47	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:18:53

लग्न-चलित

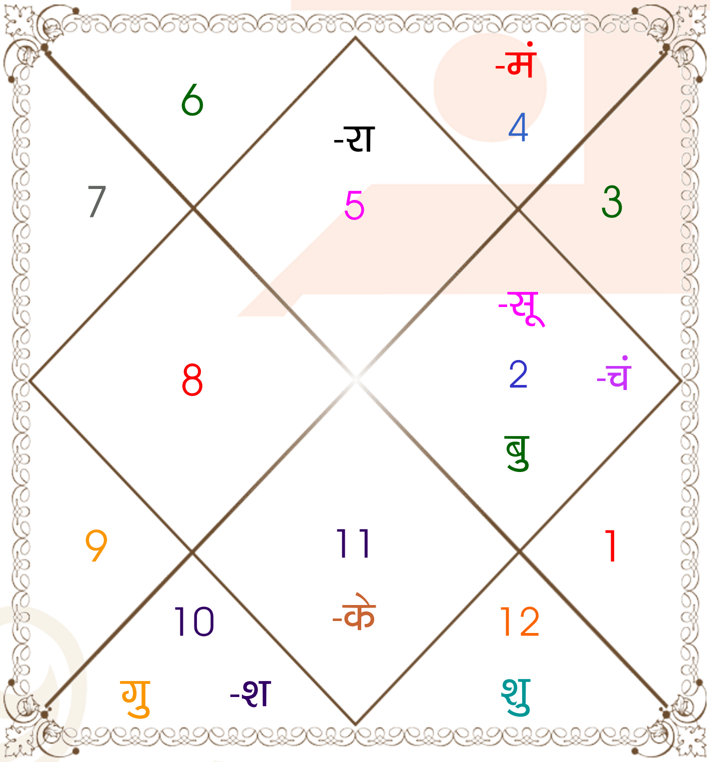

चन्द्र कुंडली

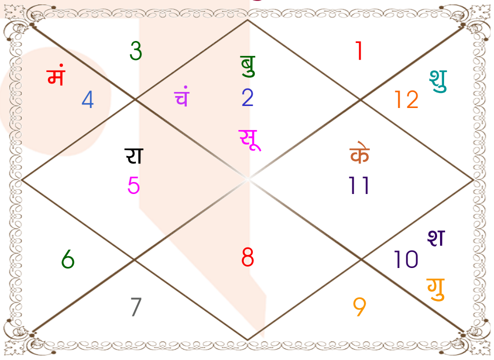

नवमांश कुंडली

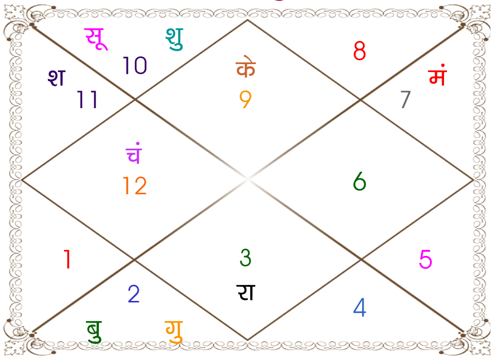

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 4 मास 28 दिन

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
15/05/1961	**13/10/1961**	**13/10/1971**	**13/10/1978**	**12/10/1996**
13/10/1961	**13/10/1971**	**13/10/1978**	**12/10/1996**	**12/10/2012**
00/00/0000	चंद्र 13/08/1962	मंगल 10/03/1972	राहु 25/06/1981	गुरु 01/12/1998
00/00/0000	मंगल 14/03/1963	राहु 29/03/1973	गुरु 19/11/1983	शनि 13/06/2001
00/00/0000	राहु 12/09/1964	गुरु 05/03/1974	शनि 25/09/1986	बुध 19/09/2003
00/00/0000	गुरु 12/01/1966	शनि 14/04/1975	बुध 13/04/1989	केतु 25/08/2004
00/00/0000	शनि 13/08/1967	बुध 10/04/1976	केतु 02/05/1990	शुक्र 26/04/2007
00/00/0000	बुध 12/01/1969	केतु 06/09/1976	शुक्र 01/05/1993	सूर्य 12/02/2008
00/00/0000	केतु 13/08/1969	शुक्र 06/11/1977	सूर्य 26/03/1994	चंद्र 13/06/2009
15/05/1961	शुक्र 14/04/1971	सूर्य 14/03/1978	चंद्र 25/09/1995	मंगल 20/05/2010
शुक्र 13/10/1961	सूर्य 13/10/1971	चंद्र 13/10/1978	मंगल 12/10/1996	राहु 12/10/2012

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
12/10/2012	**13/10/2031**	**12/10/2048**	**13/10/2055**	**13/10/2075**
13/10/2031	**12/10/2048**	**13/10/2055**	**13/10/2075**	**15/05/2081**
शनि 16/10/2015	बुध 11/03/2034	केतु 11/03/2049	शुक्र 12/02/2059	सूर्य 31/01/2076
बुध 25/06/2018	केतु 08/03/2035	शुक्र 11/05/2050	सूर्य 12/02/2060	चंद्र 31/07/2076
केतु 04/08/2019	शुक्र 06/01/2038	सूर्य 16/09/2050	चंद्र 13/10/2061	मंगल 06/12/2076
शुक्र 04/10/2022	सूर्य 12/11/2038	चंद्र 17/04/2051	मंगल 13/12/2062	राहु 31/10/2077
सूर्य 16/09/2023	चंद्र 13/04/2040	मंगल 13/09/2051	राहु 13/12/2065	गुरु 19/08/2078
चंद्र 16/04/2025	मंगल 10/04/2041	राहु 30/09/2052	गुरु 13/08/2068	शनि 01/08/2079
मंगल 26/05/2026	राहु 28/10/2043	गुरु 06/09/2053	शनि 13/10/2071	बुध 07/06/2080
राहु 01/04/2029	गुरु 02/02/2046	शनि 16/10/2054	बुध 13/08/2074	केतु 12/10/2080
गुरु 13/10/2031	शनि 12/10/2048	बुध 13/10/2055	केतु 13/10/2075	शुक्र 15/05/2081

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 4 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।